

विभाजक तथा ट्रेमल से चिन्हाकन करते समय सामान्य शुद्धता, वास्तविक माप की 0.15 mm में होती है। Fig 3 यह दर्शाता है कि समकोण त्रिभुज की विशेषताओं को ट्रेमल सेट के उपयोग से समकोण रेखाये सेट करने के लिए कैसे उपयोग किया जा सकता है।

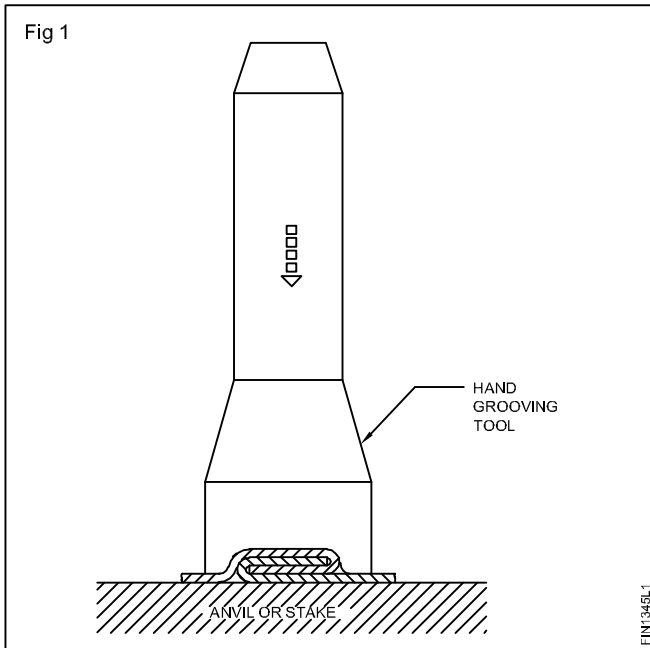
ग्रूवर्स (Groover)

उद्देश्य : इस पाठ के अन्त में आप निम्नलिखित कार्य करने योग्य होंगे :

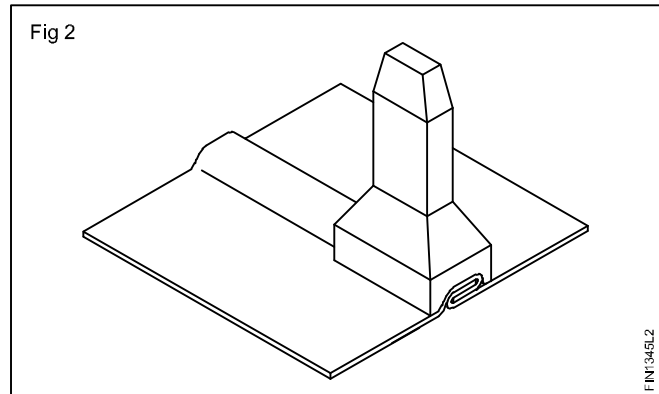
- ग्रूवर क्या है बता सकेंगे
- ग्रूवर के साइज को बता सकेंगे
- ग्रूवर के उपयोग तथा अनुप्रयोग को बता सकेंगे।

चादर धातुओं में किसी भी सीवन को प्रभावी रूप से कार्य करने के लिए उचित रूप से लॉक (बन्द) होना चाहिए, अन्यथा जोड़ खुल जाएगा।

ग्रूवर क्या है ? ग्रूवर एक हस्त औजार है जो चादर धातु कार्य में सीवन को बंद करने तथा अभिबंधन के लिये उपयोग होता है। (Fig 1)

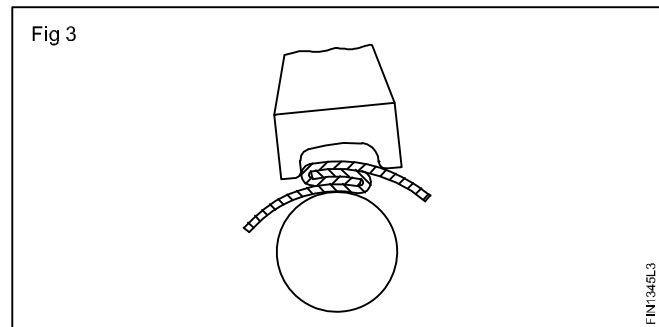


औजार के सिरे में एक आन्तरिक खाँचा बना होता है जो खाँचेदार सीवन के ऊपर फिट होकर लॉक कर सकें। (Fig 2)



साइज (Sizes): ग्रूवर विभिन्न साइजों जैसे 3mm, 4mm, 5mm आदि में मिलते हैं।

सामान्यतः एक ग्रूवर, जो मोड (fold) की चौड़ाई से 1.5mm अधिक चौड़ा होता है, का उपयोग किया जाता है। (Fig 3)



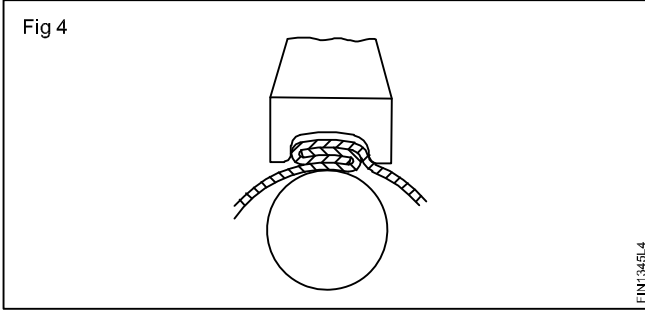
मोटी चादरों के लिए, मोड़ की चौड़ाई से 3mm अधिक चौड़े गूवर का प्रयोग किया जाता है।

गूवर की चौड़ाई, गूवर की बॉडी पर अंकित होती है।

बंद करना तथा अभिबंधन करना (Closing and locking): जोड़ को पहले, स्थिति में पकड़ा जाता है तथा फिर उसे मैलेट से बंद किया जाता है। (Fig 4)

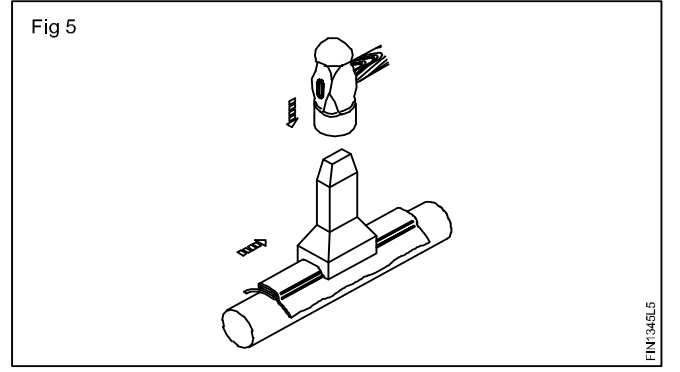
फिर गूवर को जोड़ के बंद सिरे पर रखते हैं। गूवर को हल्का तिरछा रखा जाता है।

जोड़ का कोर, गूवर की स्थिति को मार्गदर्शन करता है। जोड़ की पूर्ण लम्बाई के लिए इसी प्रकार गूविंग की जाती है। (Fig 4 तथा 5)



कई स्तरों में जोड़ को लॉक किया जाता है।

मैलेट या हल्के समतल करने वाली हथौड़ी के प्रहार के उपयोग से सीवन को कसा जाता है।



गूवर के सिरों से कई स्तरों में जोड़ को लॉक करने की असफलता का परिणाम यह होता है कि जोड़ के सहारे कर्तन चिन्ह उभर आते हैं।

छोटे गूवर के उपयोग से धातु पर निशान बंद हो जाते हैं तथा लॉकिंग को रोकते हैं।